खंड (क) - व्याकरण (Grammar)

प्रश्न 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

- **(क) (iv) अनुप्रास** (यहाँ 'त' वर्ण की आवृत्ति बार-बार हो रही है)
- **(ख) (i) निर्** (निर् + गुण)
- **(ग) (i) क्रिया विशेषण** (यह क्रिया की विशेषता बताता है)
- **(घ) (i) इच्छा**
- **(ङ) (iii) गुरुमुखी**
- **(च) (i) अंत**
- **(छ) (i) शब्द**

प्रश्न 2: लघु उत्तरीय प्रश्न

- **(क) अयोगवाह की परिभाषा:** हिंदी वर्णमाला में 'अं' (अनुस्वार) और 'अः' (विसर्ग) को अयोगवाह कहा जाता है। ये न तो पूरी तरह स्वर होते हैं और न ही व्यंजन, परंतु ये स्वरों के सहारे चलते हैं।
- **(ख) मुहावरों के अर्थ और वाक्य प्रयोग:**

1. **अपना उल्लू सीधा करना:**

- **अर्थ:** अपना स्वार्थ सिद्ध करना (मतलब निकालना)।
- **वाक्य:** आजकल के कुछ नेता चुनाव जीतने के बाद जनता को भूल जाते हैं और सिर्फ अपना उल्लू सीधा करते हैं।

2. **आँखों का तारा:**

- **अर्थ:** बहुत प्यारा होना।
- **वाक्य:** राहुल अपने माता-पिता की आँखों का तारा है।

- **(ग) कर्मधारय समास:** जिस समास का पहला पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य (या उपमान और उपमेय) होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं।

1. *उदाहरण:* नीलकमल (नीला है जो कमल), चंद्रमुख (चंद्रमा के समान मुख)।

- **(घ) अविकारी शब्द:** जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण कोई परिवर्तन या विकार नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द (या अव्यय) कहते हैं।

1. *उदाहरण:* धीरे-धीरे, आज, तथा, और, शाबाश आदि।

प्रश्न 3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

भूमिका	1
विस्तार + निर्धारित शब्द सीमा	3
उपसंहार	1

प्रश्न 4 पत्र लेखन

आरंभ और अंत की औपचारिकताऐं	1

विषय वस्तु	3
भाषा	1

खंड (ख) - क्षितिज (काव्य खंड)

प्रश्न 5: बहुविकल्पीय प्रश्न

- **(क) (iii) सर्वत्र**
- **(ख) (ii) कश्मीरी**
- **(ग) (ii) ब्रज भूमि**
- **(घ) (i) माखन लाल चतुर्वेदी**
- **(ङ) (ii) अंग्रेजी शासन**
- **(च) (iv) काम करने**

प्रश्न 6: काव्यांश आधारित प्रश्न (संतौ भाई आई ज्ञान की आँधी रे...)

- **(क)** प्रस्तुत काव्यांश के कवि **कबीरदास** हैं।
- **(ख)** ज्ञान की आँधी ने मोह और भ्रम के खंभे तोड़कर **तृष्णा रूपी छप्पर** को भूमि पर गिरा दिया (pp. 4-5)।
- **(ग)** ज्ञान रूपी सूर्य के प्रकट (उदित) होने के कारण **अज्ञान का अंधकार** क्षीण हुआ है।
- **(घ)** मनुष्य में **भ्रम, माया, मोह, तृष्णा और कुबुद्धि** (दुर्बुद्धि) जैसे विकार होते हैं।
- **(ङ)** "भांन" (भानु) **ज्ञान रूपी सूर्य** का प्रतीक है।

प्रश्न 7: लघु उत्तरात्मक प्रश्न (कोई एक)

- **उत्तर:** मनुष्य ईश्वर को मंदिर, मस्जिद, काबा, कैलाश जैसी पवित्र धार्मिक जगहों पर तथा विभिन्न कर्मकांडों, योग और वैराग्य में ढूँढता फिरता है (pp. 4-5)।
- **अथवा (रसखान):** कवि रसखान अगले जन्म में भी श्रीकृष्ण का सानिध्य पाने के लिए गोकुल के ग्वालों और ब्रज भूमि के पशु-पक्षियों के रूप में जन्म लेना चाहते हैं (pp. 4-5)।

प्रश्न 8: काव्य सौंदर्य ("क्यों हूक पड़ी?...")

- **भाव सौंदर्य:** कवि ने पराधीन भारत में जेल की यातनाओं से व्यथित होकर कोयल की कूक को सामान्य न मानकर एक दर्दभरी 'हूक' (चीख) माना है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे देश की गुलामी देखकर कोयल का कुछ लुट गया हो।
- **शिल्प सौंदर्य:** भाषा सरल और खड़ी बोली है। 'वेदना-बोझ वाली-सी' और 'रखवाली-सी' में **उपमा अलंकार** है। 'कोकिल बोलो तो' में प्रश्न शैली का सुंदर प्रयोग है।

प्रश्न 9: तम का शासन

· **उत्तर: ब्रिटिश (अंग्रेजी) शासन** की तुलना 'तम' (अंधकार) के प्रभाव से की गई है (pp. 4-5)। क्योंकि जिस प्रकार अंधकार में कुछ दिखाई नहीं देता और चारों ओर निराशा होती है, उसी प्रकार ब्रिटिश शासकों ने भारतीयों पर क्रूर अत्याचार किए, उनके अधिकार छीन लिए और न्याय व स्वतंत्रता को पूरी तरह समाप्त कर दिया था।

खंड (ग) - क्षितिज (गद्य खंड)

प्रश्न 10: बहुविकल्पीय प्रश्न

· **(क) (iv) छोटी लड़की ने**
· **(ख) (iv) दया-दया**
· **(ग) (iii) आम जनमानस को**
· **(घ) (ii) सालिम अली**
· **(ङ) (iv) हरिशंकर परसाई**
· **(च) (iii) ब्रज**

प्रश्न 11: गद्यांश आधारित प्रश्न (उपभोक्तावाद की संस्कृति)

· **(क)** पाठ का नाम: **उपभोक्तावाद की संस्कृति**, लेखक का नाम: **श्यामाचरण दुबे** ।
· **(ख)** समाज में **उपभोक्तावाद** (उपभोग को ही सब कुछ मानने वाली) की नई जीवन-शैली आ गई है ।
· **(ग)** बाज़ार में मिलने वाली वस्तुओं और उत्पादों का अधिकाधिक उपभोग करना तथा उपभोग-भोग को ही जीवन का एकमात्र सुख मान लेना उपभोक्तावाद कहलाता है ।
· **(घ)** आज **'उपभोग-भोग'** (वस्तुओं का उपयोग करना) ही सुख की परिभाषा बन गई है ।
· **(ङ)** आज के उपभोक्तावादी माहौल के कारण जाने-अनजाने हमारा चरित्र बदल रहा है; हम विज्ञापनों के प्रभाव में आकर उत्पादों के गुलाम या उसके प्रति समर्पित होते जा रहे हैं (pp. 6-7)।

प्रश्न 13: लघु उत्तरात्मक प्रश्न (किन्हीं दो के उत्तर)

· **(क)** लेखक राहुल सांकृत्यायन को तिब्बत यात्रा के दौरान ऊँचे-नीचे पहाड़ी रास्तों पर भारी सामान उठाकर पैदल चलना पड़ा, डाकुओं के भय से भीख माँगने का नाटक करना पड़ा और कड़कड़ाती धूप व ठंड का सामना करना पड़ा ।
· **(ख)** यह शीर्षक पूरी तरह सार्थक है क्योंकि यह प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी सालिम अली की मृत्यु के बाद लेखक के मन में उमड़ी उनकी यादों को समर्पित है । 'साँवले सपने' उनके जीवन के उन हसीन और खोए हुए पलों के प्रतीक हैं जिन्हें अब वापस नहीं लाया जा सकता ।
· **(ग)** लेखिका महादेवी वर्मा की उर्दू-फ़ारसी सीखने में कोई रुचि नहीं थी । उन्हें लगता था कि वे इसे नहीं सीख पाएँगी, और जब मौलवी साहब उन्हें पढ़ाने आते थे, तो वे चारपाई के नीचे छिप जाती थीं ।

खंड (घ) - कृतिका व नैतिक शिक्षा

प्रश्न 14: कृतिका पर आधारित प्रश्न (किन्हीं दो के उत्तर)

· **(क) उमा व शंकर की विशेषता: उमा** पढ़ी-लिखी, स्वाभिमानी, साहसी और स्पष्टवादी लड़की है जो रूढ़ियों का विरोध करती है। इसके विपरीत **शंकर** कायर, रीढ़ की हड्डी से रहित (बिना आत्मविश्वास वाला), चरित्रहीन और दूसरों के इशारों पर चलने वाला युवक है।

· **(अथवा) रामस्वरूप की विवशता:** यह विरोधाभास उनकी इस विवशता को दिखाता है कि वे एक प्रगतिशील पिता होने के बावजूद समाज की दकियानूसी और रूढ़िवादी सोच के सामने मजबूर हैं, जहाँ लड़के वाले अधिक पढ़ी-लिखी लड़की को स्वीकार नहीं करना चाहते।

· **(ख) बाढ़ की तैयारी:** बाढ़ की खबर सुनकर लोग अपनी सुरक्षा के लिए ज़रूरी सामान जैसे ईंधन (जलावन), आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी और दवाइयाँ आदि इकट्ठा करने लगे तथा अपने सामान को ऊँचे स्थानों पर ले जाने लगे।

· **(ग) लेखिका के प्रयास:** लेखिका ने कर्नाटक के बागलकोट जैसे छोटे कस्बें में खुद पहल करके कैथोलिक मिशनरी और स्थानीय लोगों की मदद से अंग्रेज़ी-हिंदी-कन्नड़ सिखाने वाला एक प्राइमरी स्कूल खोला और उसे सरकार से मान्यता भी दिलवाई।

प्रश्न 15: आदर्श जीवन मूल्य / नैतिक शिक्षा (किन्हीं 4 के उत्तर)

· **(क)** श्रीकृष्ण के गीता उपदेश से अर्जुन का मोह और अज्ञान नष्ट हो गया, उनका खोया हुआ आत्मविश्वास वापस आया और वे धर्म की रक्षा के लिए युद्ध करने को तैयार हो गए।

· **(ख)** गीता हमें निष्काम कर्म करने (फल की इच्छा किए बिना कर्तव्य पथ पर बढ़ने), सुख-दुख में समान रहने और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा देती है।

· **(ग)** सज्जन लोग ज्ञान प्राप्त करने, जीवन को सही दिशा देने, अपनी शंकाओं का समाधान करने और सदाचार सीखने के लिए गुरुजनों के पास जाते हैं।

· **(घ)** विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य उच्च शिक्षा व ज्ञान अर्जित करना, चरित्र निर्माण करना, अनुशासन सीखना और समाज व देश के काम आने योग्य योग्य नागरिक बनना होना चाहिए।

· **(ङ) जीवन की सार्थकता:** मनुष्य के जीवन की सार्थकता परोपकार करने, दूसरों की मदद करने, नैतिक मूल्यों का पालन करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने में है।